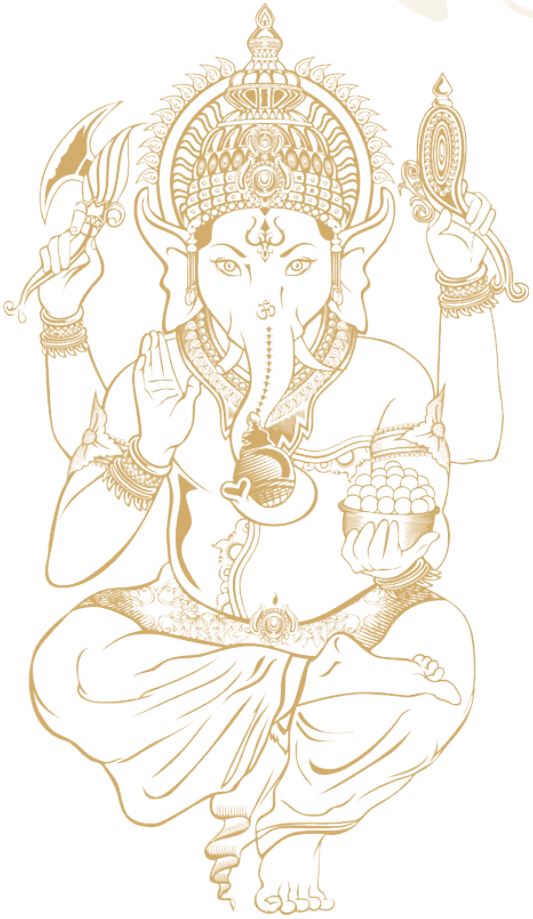

Yashoda suthar

12 Feb 2003

08:05 PM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 120872602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/02/2003**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:05:00 घंटे**
इष्ट	31:46:53 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:20:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	04:49:36 घंटे
सूर्योदय	07:22:14 घंटे
सूर्यास्त	18:35:12 घंटे
दिनमान	11:12:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:33:53 मकर
लग्न के अंश	20:15:57 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:15:57	323:25:06	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मक	29:33:53	01:00:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	04:39:42	12:38:34	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	23:07:05	00:38:32	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	स्वराशि
बुध			मक	05:32:23	01:17:34	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		कर्क	17:51:33	00:07:41	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र			धनु	15:15:19	01:08:48	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृष	28:19:37	00:01:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	11:31:20	00:03:13	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	11:31:20	00:03:13	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:36:20	00:03:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप			मक	17:14:37	00:02:14	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:38:34	00:01:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	19:52:23	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:48

लग्न-चलित

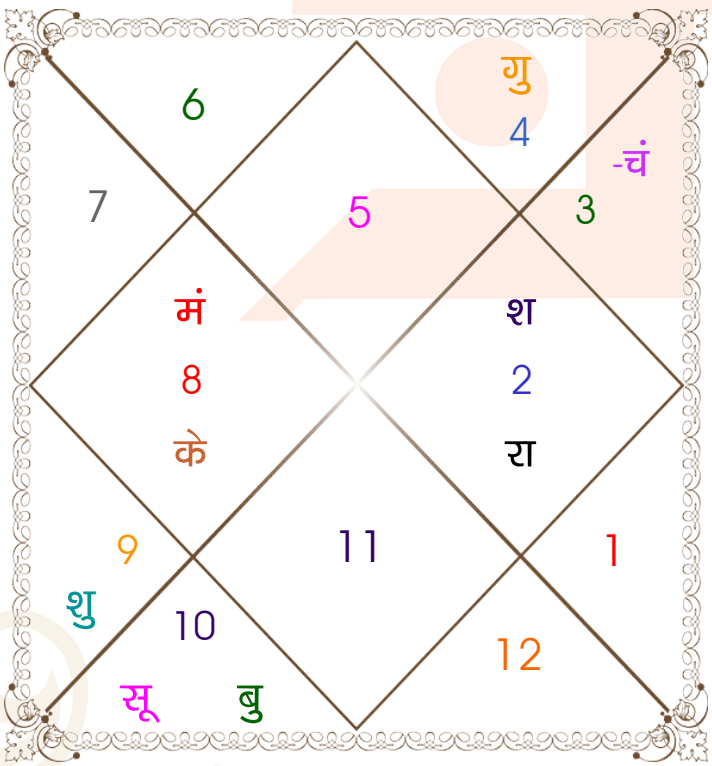

चन्द्र कुंडली

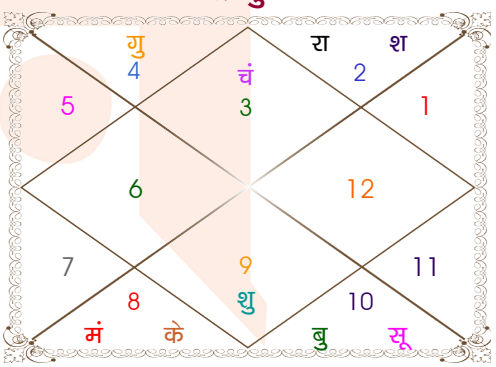

नवमांश कुंडली

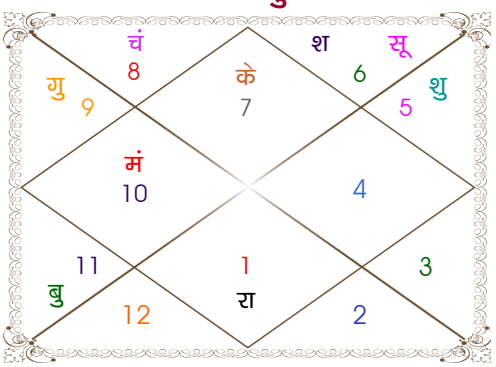

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 0 मास 19 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/02/2003		03/03/2004		03/03/2022		03/03/2038		03/03/2057	
03/03/2004		03/03/2022		03/03/2038		03/03/2057		03/03/2074	
	00/00/0000	राहु	14/11/2006	गुरु	21/04/2024	शनि	06/03/2041	बुध	31/07/2059
	00/00/0000	गुरु	09/04/2009	शनि	02/11/2026	बुध	14/11/2043	केतु	27/07/2060
	00/00/0000	शनि	14/02/2012	बुध	07/02/2029	केतु	23/12/2044	शुक्र	28/05/2063
	00/00/0000	बुध	02/09/2014	केतु	14/01/2030	शुक्र	23/02/2048	सूर्य	02/04/2064
	00/00/0000	केतु	20/09/2015	शुक्र	14/09/2032	सूर्य	04/02/2049	चंद्र	02/09/2065
	12/02/2003	शुक्र	20/09/2018	सूर्य	03/07/2033	चंद्र	05/09/2050	मंगल	30/08/2066
शुक्र	28/03/2003	सूर्य	15/08/2019	चंद्र	02/11/2034	मंगल	15/10/2051	राहु	18/03/2069
सूर्य	03/08/2003	चंद्र	13/02/2021	मंगल	09/10/2035	राहु	21/08/2054	गुरु	24/06/2071
चंद्र	03/03/2004	मंगल	03/03/2022	राहु	03/03/2038	गुरु	03/03/2057	शनि	03/03/2074

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/03/2074		03/03/2081		04/03/2101		05/03/2107		04/03/2117	
03/03/2081		04/03/2101		05/03/2107		04/03/2117		00/00/0000	
केतु	30/07/2074	शुक्र	03/07/2084	सूर्य	22/06/2101	चंद्र	03/01/2108	मंगल	31/07/2117
शुक्र	30/09/2075	सूर्य	03/07/2085	चंद्र	21/12/2101	मंगल	03/08/2108	राहु	19/08/2118
सूर्य	04/02/2076	चंद्र	04/03/2087	मंगल	28/04/2102	राहु	02/02/2110	गुरु	26/07/2119
चंद्र	04/09/2076	मंगल	03/05/2088	राहु	23/03/2103	गुरु	04/06/2111	शनि	02/09/2120
मंगल	01/02/2077	राहु	03/05/2091	गुरु	09/01/2104	शनि	02/01/2113	बुध	31/08/2121
राहु	19/02/2078	गुरु	01/01/2094	शनि	21/12/2104	बुध	04/06/2114	केतु	27/01/2122
गुरु	26/01/2079	शनि	03/03/2097	बुध	27/10/2105	केतु	03/01/2115	शुक्र	13/02/2123
शनि	06/03/2080	बुध	02/01/2100	केतु	04/03/2106	शुक्र	02/09/2116		00/00/0000
बुध	03/03/2081	केतु	04/03/2101	शुक्र	05/03/2107	सूर्य	04/03/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।